एक फकीरा आया शिरडी गांव में | By Sunil Sargam |

एक फकीरा आया शिरडी गांव में
आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में
होंठों पे मुस्कान है, छाले पाँव में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे

कभी अल्लाह ही अल्लाह बोले
कभी राम नाम धुन गाए
कोई कहे ये मुल्ला मौलवी
कोई संत फकीर बताए

ना जाने किससे बातें करे हवाओं में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे

है कौन कोई ना जाने
कोई इसको ना पहचाने
चोला फकीर का पहना
देखो जग के दाता ने

मांग रहा है सबकी खैर दुआओं में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे

करता है करिश्मे ऐसे
कोई जादूगर हो जैसे
पानी से दीप जलाए
ना जाने हुआ ये कैसे

चर्चे हैं शिरडी के सभी दिशाओं में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे

वो जिसको हाथ लगाए
उसका हर दुख मिट जाए
वो दे दे जिसे भभूति
हर खुशी उसे मिल जाए

काँटें चुनकर फूल बिछाए राहों में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे

कभी ध्यान मग्न हो जाए
कभी घर-घर अलख जगाए
मालिक है एक सभी का
लोगों को ये समझाए

नूर है जैसे मुख पे चाँद घटाओं में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे
आया रे आया साईं आया रे

इसमें ही तो राम रमाए
यही कृष्ण रूप बन आए
जिस रूप में इसको पूजो
उसमें ही दर्शन दिखाए

खुशियों का रंग बिखेरे यहाँ फ़िजाओं में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

एक फकीरा आया शिरडी गांव में
आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में
होंठों पे मुस्कान है, छाले पाँव में
और आ बैठा एक नीम की ठंडी छांव में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%ab%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a1%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5-%e0%a4%ae%e0%a5%87/